SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 16: no 4, April 1977
TOC Supplied By: Columbia University Libraries

6 अङ्क : 4
ल 1977 ई.

मधुमती

पुश्किन / राही मासूम रजा
डॉ० विश्वम्भर नाथ उपाध्याय / श्रवण कुमार
भादानी / रणजीत / प्रेम शंकर श्रीवास्तव / बलदेव वंशी / कमर मेवाड़ी /
ओमप्रकाश मेहरा / ए० के० गोपालन / मणि मधुकर और विभूत शाह

अपने लेखक-समुदाय से 'मधुमती' की सविनय अपेक्षाएँ :–

(१) स्वस्थ मानव-मूल्य की संवेदना से अंतर्ध्वनित रचनाएँ ।

(२) विगत मूल्यांकनों का पुनर्मूल्यांकन ।

(३) भारतीय और विश्व-साहित्य की उत्कृष्ट कृतियों का सटीक और स्तरीय अनुवाद ।

(४) लघु-पत्रिकाओं में प्रकाशित रचना जगत का तार्किक, बुनियादी विश्लेषण ।

(५) सतही दृष्टि से आयोजित की जा रहीं परिचर्चाओं की स्तर-हीनता परिभाषित करते हुए परिचर्चा के खिलाफ़ परिचर्चा ।

(६) सहवर्ती भारतीय भाषाओं के साहित्य की समकालीन रचनात्मक दिशाओं का प्रामाणिक प्रस्तुतीकरण ।

(७) राजस्थान के हिन्दी और राजस्थानी कृतित्व का निष्पक्ष, तटस्थ मूल्यांकन ।

(८) 'शुभारम्भ' स्तम्भ के अंतर्गत प्रकाशन-योग्य उदीयमान लेखकों की रचनाएँ ।

(९) हास्य-व्यंग्य के अंतर्गत परिवेश के किसी मानवीय पहलू का व्यंग्यात्मक, सहज रूपांकन ।

मधुमती

वर्ष १६ : अंक ४
अप्रेल १९७७ ई०

सम्पादक : रामदेव आचार्य
व्यवस्था सम्पादक : राजेन्द्र शर्मा

अनुक्रम

		पृष्ठ संख्या
सम्पादकीय		१
१ पुनर्मुद्रित इतिहास पृष्ठ		
बन्दी	पुश्किन	७
गज़ल का एक अंश	राही मासूम रज़ा	८
दो विशिष्ट लेख :		
२ प्रगतिशीलता : वाम दिशा	डॉ० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय	९
३ हिन्दी कहानी : एक विशेष संदर्भ में	श्रवणकुमार	१७
कविताएँ :		
४ आदमक़द होकर रह गया है समय	हरीश भादानी	२३
५ टूटन, दो औरतें	रणजीत	२५
६ ग़ज़ल, ग़ज़ल	प्रेमशंकर श्रीवास्तव	२७
७ एक कलदार चेहरा	बाबू खाण्डा	२९
कहानियाँ :		
८ बिना डोर की पतंग	योगेशचन्द्र शर्मा	३४
९ टूटा हुआ पेड़	योगेन्द्रकुमार दवे	४०
कविताएँ :		
१० गति और स्थिरता की ज्यामिति	बलदेव वंशी	४४
११ इलाज	ओमप्रकाश मेहरा	४६
१२ तुम्हारे लिए एक कविता	कमर मेवाड़ी	४८
१३ रेत के समन्दर का एक टापू	कमर अहमद कमर	५०

सहवर्ती साहित्य :

१४ स्वातंत्र्योत्तर तेलुगु साहित्य में धर्म-निरपेक्षता, प्रजातंत्र एवं समाजवाद की प्रवृत्तियां — प्रो. जे. सुन्दर रेड्डी — ५३

१५ श्रमजीवी जनता के संघर्षों का योद्धा : ए. के. गोपालन (एक अंतरंग जीवन-वृतांत) — राजीव सक्सेना — ६४

तीन नाट्य रंग :

१६ नाच, तीन पहाड़, बोझ — मणि मधुकर — ७०

अनुवाद (गुजराती से)

१७ मैं-दो — मूल: विभूत शाह, अनु. : सुरेन्द्र दोशी, पीयूष जोशी — ७४

हास्य-व्यंग्य :

१८ 'विद्वान् सर्वत्र पूज्यते' — पुरुषोत्तमप्रसाद आसोपा — ८८

कहानियाँ :

१९ परिचित दुःख — ओमप्रकाश — ९४

२० कटे पतंग की डोर — कृष्णकुमार कौशिक — १०१

शुभारंभ :

२१ एक व्यावसायिक अनुभूति — बृजकिशोर जोशी — १०४

२२ ग़ज़ल — रामेश्वर वैष्णव — १०७

२३ तीन लघु कविताएँ — नंदकिशोर चतुर्वेदी — १०८

समीक्षात्मक मूल्यांकन

२४ विज्ञान-दर्शन सापेक्षिक चेतना का आग्रह — मधुसूदन पाठक — ११०

२५ समकालीन कविता की भूमिका — दुर्गाप्रसाद अग्रवाल — ११३

२६ सांस्थानिक गतिविधियाँ — ११७

मुख पृष्ठ रेखांकन : पंकज गोस्वामी

वार्षिक शुल्क : १५-०० रु०

लेखकीय ग्राहक शुल्क : १०-०० रु०

एक प्रति : १-५० रु०